God's Love Conduit

| " the I Ghost which is given | | road in our hearts by the Holy |
|--|-----|--------------------------------|
| ,000 | 0 . | , |
| | | , , |
| , . | | , . |
| A conduit is | | ' ! |
| , | | <u> </u> |

Abraham was the conduit of God's blessing to the world.

, I will bless thee... and thou shalt be a blessing... in thee shall all families of the earth be blessed." (. -).

...

a conduit of God's love to others.

I. The SOURCE of love (... the love of God).

doctrinal viewpoint.

"God is love"... "For God so loved..."

| | . historical perspe | ctive. | | | | | | |
|-------------|--|---------|--|--|--|--|--|--|
| | . "ti | hou | | | | | | |
| | lovest me before the foundation of the world" (|). | | | | | | |
| | . O the love that drew salvation | ı's | | | | | | |
| | plan. Oh the grace that brought it down to man. | | | | | | | |
| | . , | | | | | | | |
| | • | | | | | | | |
| | · | - | | | | | | |
| | , | | | | | | | |
| | , | | | | | | | |
| | , | | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | • | | | | | | | |
| > | • | | | | | | | |
| II. | The COURSE of love (shed abroad in our hearts). | - | | | | | | |
| | . Love can | not | | | | | | |
| | be contained, but must be "shed abroad." | | | | | | | |
| | . ("seeketh not her own"). | | | | | | | |
| | · | | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | "I in them, and thou in me, that they may be made p | | | | | | | |
| | fect in one; and that the world may know that thou hast se | | | | | | | |
| | me, and hast loved THEM , as thou hast loved ME " (! "that the |). o | | | | | | |
| | world may know that thou hast LOVED THEM, as thou ha | | | | | | | |
| | LOVED ME.", "that the love wherewi | | | | | | | |
| | thou hast loved me may be in them" | | | | | | | |

| • | The FORCE of love (by the Holy Ghost). | | | | | | | | |
|---|---|------------|--|---|---|---|---|--|--|
| | > | | | | | - | | | |
| | . The F | LOW of it. | it. | | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| | | | • | | | | | | |
| | • | | | | | | | | |
| | | | | | • | | | | |
| | | | | • | | | | | |
| | | | | | | | • | | |
| | | | | | | • | | | |
| | | | | | • | | | | |
| | | | | | | • | | | |
| | | | | | | | | | |
| | | | , | | | | | | |
| | | | <u>, </u> | | | | | | |
| | | | | | • | | | | |
| | | | | | | | | | |
| | | • | | | | | | | |
| | • | | | | - | | - | | |
| | | - | | | | | | | |
| | | | | | | • | | | |
| | | | | • | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| | | | | - | | | | | |

The SHOW of it demonstrate . ļ "...whoso hath this world's good, and seeth his brother have need, and shutteth up his bowels of compassion from him, how dwelleth the love of God in him? My little children, let us not love in word, neither in tongue; but in deed and in truth"(see . The FOE of it

SUMMATION

0 0.